साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 39 | गोंदिया : गुरुवार, 5 से 11 मई 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

निधि वितरण में पक्षपात की भूमिका, किसी को अत्यधिक तो किसी को १० प्रतिशत - डॉ.फुके

जिला नियोजन समिति की सभा में गरमाये, मंदिर, क्रॉपलोन, सिटी सर्वे एवं नक्सलमुक्त तहसील के विरोध में मुद्दे

बुलंद गोंदिया - जिलाधिकारी कार्यालय में संपन्न हुई जिला नियोजन समिति की सभा गहमागहमी से भरी रही। गोंदिया शहर के सिटी सर्वे, क दर्जे के धार्मिक पर्यटन स्थल, क्रॉपलोन, ओबीसी हॉस्टल, नक्सलमुक्त तहसीलों को लेकर पालकमंत्री का ध्यान केन्द्रित किया गया।

पूर्व पालकमंत्री एवं वर्तमान विधायक डॉ परिणय फुके ने गोंदिया जिले में विकास कार्यो को लेकर दी जानेवाली निधि में पक्षपात व दुजाभाव होने का मुद्दा उठाया। विधायक परिणय फुके ने कहा, पालकमंत्री जिले का होता है। जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों को बराबर की निधि विकास कार्य हेतु वितरित की जानी चाहिए। परंतु यहां पक्षपात की भूमिका नजर आ रही है। किसी को अत्यधिक दी जा रही है तो किसी को 10 प्रतिशत।

संपूर्ण गोंदिया जिला नक्सलग्रस्त है। परंतु अधिकारियों द्वारा गलत रिपोर्ट भेजकर तीन तहसीलों को नक्सलमुक्त करने का कार्य किया है। आमगांव, सड़क अर्जुनी व तिरोडा तहसील में आमगांव व सड़क अर्जुनी तहसील नक्सल प्रभावित है बावजूद इन दोनों तहसील को नक्सलमुक्त कर दिया गया। गोंदिया तहसील में किसी भी तरह की नक्सली गतिविधि न होने के बावजूद इसे नक्सलग्रस्त रखा गया ये अन्याय है।

रोजगार के साधन उपलब्ध कराने, महाराष्ट्र ओद्योगिक विकास महामंडल अंतर्गत नए उद्योग खड़े करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, राज्य के अंतिम छोर के इस नक्सलग्रस्त जिले में रोजगार उपलब्ध कराने नए उद्योग पर ध्यानकेन्द्रित किया जाना चाहिये पर इस ओर सिस्टम ठंडे बस्ते पर है।

फुके ने कहा, जब मैं पालकमंत्री था, तब ओबीसी होस्टल के निर्माण लिए प्रयास किये थे। तब अधिकारियों ने कहा था, जगह उपलब्ध हैं और इस कार्य को जल्द पूर्ण करेंगे। परंतु आज तीन-तीन पालकमंत्री बदल गए, 3 साल बीत गए पर ओबीसी होस्टल का मामला लंबित पड़ा हुआ है।

गोंदिया शहर के सिटी सर्वे मामले पर कहा कि, निधि आवंटित होने के बावजूद कार्य की शुरुवात 2 सालो से न होना ये अधिकारियों की अकर्मण्यता को दर्शाता है। कर्मचारियों का दुखड़ा रोया जाता हैं। नगर परिषद की निधि का नुकसान हुआ है। अधिकारी पर कार्रवाई होनी चाहिये।

पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे ने सभी विषयों को गम्भीरतापूर्वक लेते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किये एवं इन विषयों पर कोताही बरतने वालो पर जिलाधिकारी को कार्रवाई के आदेश दिए। नक्सलमुक्त करने के मामले पर गृह मंत्रालय से बातचीत कर हल निकालने का आश्वासन दिया। वही जिला भूमि अभिलेख कार्यालय में उपाधीक्षक का पद रिक्त होने पर इसे त्वरित भरने के आदेश दिए। पालकमंत्री ने सभी कार्य हेतु जल्द रिपोर्ट देने हेतु भी निर्देशित किया।

सभा में पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे की अध्यक्षता में सांसद सुनील मेंढे, विधायक डॉ. परिणय फुके, विधायक विजय रहांगडाले, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक मनोहर चन्द्रिकापुरे, विधायक सहसराम कोरोटे, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिप सीईओ पाटील, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, जिला नियोजन समिति सदस्य, विशेष निमंत्रित सदस्य आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

देश के विकास में महाराष्ट्र का महत्वपूर्ण योगदान - पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र राज्य स्थापना दिवस के 62वें वर्धापन दिवस के अवसर पर 1 मई को पुलिस मुख्यालय कारंजा में ध्वजारोहण पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले, राजश्री शाहू महाराज, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सहित अनेक समाज सुधारको ने अपने अपना जीवन समर्पण कर समाज सुधार के कार्य किए तथा उनके दिखाए गए मार्गो पर आज राज्य चल रहा है। महाराष्ट्र गत 62 वर्षों में सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर विभिन्न क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा देश के विकास में महाराष्ट्र का योगदान महत्वपूर्ण है। आगे उन्होंने कहा कि हाल ही में महाराष्ट्र का बजट पेश किया गया था जो विकास के पंचसुत्र आधारित बजट है। कृषि व संबंधित सेवा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, मनुष्य विकास व उद्योग ये पंचसूत्र है। हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग नागपुर से गोंदिया विस्तार किया जा रहा है, जिससे जिले के विकास को गति प्राप्त होंगी। इसके साथ ही खरीद मौसम 2021-22 के अंतर्गत 1 लाख 20 हजार किसानों से 35 लाख 56 हजार क्विंटल धान की खरीदी की गई है। जिसकी वर्तमान कीमत 690 करोड़ है, 684 करोड रुपए का भुगतान किसानों को किया जा चुका। महात्मा ज्योतिबा फुले किसान कर्ज मुक्ति योजना के अंतर्गत 52 वारिसों को एक करोड़ 2 लाख की सहायता वितरित वितरित की गई है तथा महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत अब तक 13913 लाभार्थियों को लाभ दिया गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना के अंतर्गत गोंदिया जिला वर्ष 2021-22 इस आर्थिक वर्ष में 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक कुल 15943.97 लाख की निधि खर्च हुई है। जिसमें 64 लाख 33 हजार लक्ष्य मनुष्य दिवस रोजगार निर्मित हुआ है। इस आर्थिक वर्ष में 2 लाख 3 हजार 428 परिवारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। कोरोना संक्रमण के दौरान गोंदिया जिले में दोनों पालक खोनेवाले 11 बालक है, इन बालकों के नाम से महिला व बालकल्याण विकास विभाग के माध्यम से 5 लाख की फिक्स्ड डिपॉजिट जमा की गई है तथा जिला आपदा व्यवस्थापन विभाग के माध्यम से 11 बच्चों के 6 परिवारों को 50000 के प्रमाण में आर्थिक सहायता का लाभ दिया गया है। अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ दिया गया है। जिसमें छात्रवृत्ति योजना में 5327 विद्यार्थियों का लाभ मंजूर किया गया। डॉ बाबासाहेब आंबेडकर स्वाधार योजना में 202, वस्तिगृह में 554 विद्यार्थी, निवासी स्कूल में 268 विद्यार्थियों को लाभ दिया गया। रमाई आवास योजना में 2078, यशवंतराव चौहान मुक्त आवास योजना में 1353, धनगर आवास योजना में 15 इस प्रकार 3446 आवास योजनाओं को समिति द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री सौर कृषि पंप योजना विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अन्य योजना जिले के पर्यटन विकास,

शेष पृष्ठ 2 पर

श्रीलंका की युवती ने गोंदिया के युवक के साथ लिये सात फेरे

पूरे देश मे नवयुगल तथागत बुद्ध के धम्म का करेगे प्रचार

बुलंद गोंदिया - तथागत भगवान गौतम बुद्ध को शांति का प्रतीक माना जाता है। भारत इसके लिए आज भी विश्व गुरु है। भगवान गौतम बुद्ध का शांति का संदेश सात समुंदर पार होकर श्रीलंका पहुंचा। इसी संदेश का प्रचार प्रसार करने के लिए श्रीलंका की युवती ने गोंदिया के युवक के साथ सात फेरे लेकर पूरे देश में शांति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया है।

गत 18 अप्रैल को उमेश कांबड़े श्रीलंका पहुंचकर रत्नमेनिके के गृहग्राम बुकानुमा में बौद्ध धर्म संस्कृति से विवाह किया। उसके बाद वे अपने स्वदेश लौटे तो उमेश के परिजनों ने 1 मई को आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन में दंपति ने बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार करने का संकल्प लिया है। भगवान गौतम बुद्ध शांति के प्रतीक होकर बौद्ध धर्म ने समता, प्रज्ञा व प्रेम का संदेश पूरे विश्व को दिया है। इसका सबसे अधिक प्रचार प्रसार भारत देश के माध्यम से किया जाता है। इसलिए भारत इसके लिए आज भी विश्व गुरु है।

गोंदिया के दतोरा निवासी उमेश कामड़े भी बौद्ध धर्म के अनुयायी होकर रेलवे विभाग में कर्मचारी के रुप में सेवा दे रहे हैं। वे अपने सेवा के साथ-साथ बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार और भगवान गौतम बुद्ध के शांति का संदेश घर-घर तक पहुंचाते हैं। उमेश व श्रीलंका के बुकानुमा ग्राम की रत्नमेनिके की पहचान 2 वर्ष पूर्व फेसबुक के माध्यम से हुई। बताया गया कि रत्नमेनिके यह श्रीलंका में शिक्षिका के पद पर कार्यरत है। धीरे-धीरे उनकी यह पहचान दोस्त व प्रेम में बदल गई। वे फेसबुक के माध्यम से गौतम बुद्ध के विचार व बौद्ध धर्म के संदेश को एक दूसरे को अवगत कराते थे।

बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से प्रेरित होकर रत्नमेनिके ने निर्णय लिया कि बौद्ध धर्म का संदेश भारत देश में पहुंचाने के लिए क्यों न एक दूसरे से विवाह किया जाए। जिसका प्रस्ताव रत्नमेनिके ने उमेश के सामने रखा। उमेश ने भी उसे स्वीकार किया और दोनों ने अपने परिजनों को अवगत कराया। दोनों के परिजनों ने इस निर्णय को स्वीकार किया और 18 अप्रैल को उमेश कांबड़े श्रीलंका पहुंचकर रत्नमेनिके के गृहग्राम बुकानुमा में बौद्ध संस्कृति से विवाह किया। उसके बाद वे अपने स्वदेश लौटे तो उमेश के परिजनों ने 1 मई को आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन में दंपति ने बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार करने का संकल्प लिया है।

उमेश कांबड़े के मुताबिक मैं बौद्ध धर्म का प्रचारक हूं। रत्नमेनिके के साथ मेरी पहचान फेसबुक के माध्यम से हुई। श्रीलंका में रत्नमेनिका धम्मशाला की शिक्षिका होकर भगवान गौतम बुद्ध का संदेश देती है। दोनों के विचार एक होने से रत्नमेनिके ने संकल्प लिया है कि श्रीलंका के साथ-साथ भारत में भी बौद्ध धर्म का प्रचार करुं। क्योंकि भारत की संस्कृति बहुत ही अच्छी है। रत्नमेनिके ने मेरे सामने विवाह का प्रस्ताव रखा। जिसे मैंने स्वीकार करते हुए दोनों के परिजनों की रजामंदी से विवाह किया। अब हम बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार कर जन-जन तक भगवान गौतम बुद्ध के विचार पहुंचाएंगे।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया गोंदिया का डिजिटल पेमेंट सुरक्षा कार्यक्रम

डिजिटल पेमेंट करते समय ग्राहक बरतें सावधानी - अशोक गुप्ता

बुलंद गोंदिया - स्टेट बैंक गोंदिया द्वारा डिजिटल पेमेंट के संदर्भ में ग्राहकों को क्या सुरक्षा बरतनी चाहिए? इस पर एक जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्टेट बैंक के एजीएम ग्राहक सेवा अशोक गुप्ता द्वारा उपस्थित ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट की जानकारी दी। साथ ही उपभोक्ताओं के साथ ऑनलाइन ठगी किस प्रकार होती है तथा इससे कैसे बचा जा सकता है? इस पर भी उपस्थित अधिकारियों द्वारा विस्तृत जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान समय में ऑनलाइन भुगतान पेमेंट एक सामान्य रुटीन बन चुका है। जिसका लाभ ऑनलाइन ठगो द्वारा उठाया जा रहा है तथा उपभोक्ताओं को चुना लगाया जाता है। जिसमें ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट करते समय क्या-क्या सावधानी रखनी चाहिए? अज्ञात व्यक्तियों को ओटीपी की जानकारी नहीं देना चाहिए, इस संदर्भ में भी विस्तृत व्याख्यान व जानकारी दी गई। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अशोक गुप्ता एजीएम ग्राहक सेवा, एलएचओ मुंबई सुब्रत मुखर्जी, एजीएम डिजीटल बँकीग, ठिकाना बोया मुख्य प्रबंधक अनुपालन और संचालन, पीयूष घोड़ेश्वर मुख्य प्रबंधक क्रेडिट, सचिन कामथे मुख्य प्रबंधक व्यवसाय, वैभव टेक एचआर मैनेजर आरबीओ गोंदिया की प्रमुख उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न हुआ।

सामाजिक विकास योजना अंतर्गत २१ कार्यो के लिए १ करोड़ ५० लाख की निधि मंजूर

सांसद प्रफुल पटेल के प्रस्ताव पर विभाग ने दी मंजूरी

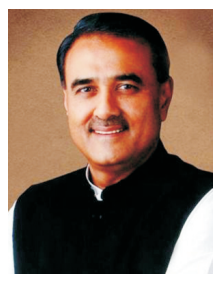

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के विभिन्न स्थानों के लिए मार्ग, सभा मंडप बांधकाम के कुल 21 कार्यो के लिए सामाजिक विकास योजना अंतर्गत सांसद प्रफुल पटेल के प्रस्ताव पर विभाग द्वारा 1 करोड़ 50 लाख की निधि मंजूर की है। गौरतलब है कि सांसद पटेल के जिले में दौरे के दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों व प्रतिनिधि मंडल द्वारा अपनी समस्या सामने रखी तथा विकास कार्यो की मांग की। जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए सांसद पटेल द्वारा राज्य के सामाजिक न्यायमंत्री धनंजय मुंडे से चर्चा की। जिसके पश्चात सामाजिक न्याय व विशेष सहाक्य विभाग द्वारा जिले के 21 कार्यो के लिए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 के तहत मंजूरी दी है।

जिसमें गोरेगांव तहसील के हौसीटोला में सीमेंट मार्ग निर्माण, गोवारी टोला सीमेंट नाली निर्माण, अर्जुनी मोरगांव तहसील के बाक्टी में सीमेंट मार्ग निर्माण, पिंपलगांव खांबी में सीमेंट मार्ग का निर्माण, बुटाई में सीमेंट मार्ग, पाथरी में मागासवर्गीय वस्ती सभा मंडप, बोंडगावदेवी मिलिंद बुद्ध विहार में सभा मंडप, गोंदिया तहसील के दवनीवाडा में सीमेंट रस्ता निर्माण, दहेगांव में सीमेंट नाली का निर्माण, कुड़वा में सीमेंट मार्ग, हलबीटोला में सीमेंट मार्ग, कालीमाटी में सीमेंट नाली का निर्माण, तिरोड़ा तहसील मार्ग का निर्माण, गोरेगांव तहसील के हौसीटोला में सीमेंट नाली निर्माण तथा गंगाझरी, झरपडा, टेमनी में सीमेंट मार्ग व नाली बांधकाम का समावेश है।

जिला परिषद में किसकी होंगी सत्ता?

१० मई को होगा अध्यक्ष का चुनाव, भाजपा के सत्ता पर काबिज होने संभावना

बुलंद गोंदिया - जिला परिषद में लगभग दो वर्ष के अंतराल के बाद 10 मई को अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होनेवाले है। हालांकि, इस चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। लेकिन 53 सदस्यों वाली जिला परिषद में भारतीय जनता पार्टी 26 सदस्यों के साथ सबसे बड़े दल के रुप में उभरकर सामने आई हैं। इसके साथ ही राजनीतिक हलचलों को देखते हुए भाजपा ही सत्ता पर काबिज होगी, यह लगभग तय माना जा रहा है।

गौरतलब है कि इस चुनाव में भाजपा के 26, कांग्रेस के 13, राकांपा के 8, चाबी संगठन के 4 एवं 2 निर्दलीय सदस्य चुनकर आए हैं। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि भाजपा पहले दोनों निर्दलीयों के साथ मिलकर जिप की सत्ता पर काबिज होने का प्रयास करेंगी और इसमें उसके काफी हद तक सफल होने की भी जानकारी मिली है। लेकिन किसी कारणवश यदि यह समीकरण नहीं बन पाया तो दूसरी प्राथमिकता के तौर पर चाबी संगठन के साथ गठबंधन कर सत्ता हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन इसमें गोंदिया के एक भाजपा नेता का विरोध होने की बात पता चली है। जबकि भाजपा के ही कुछ नेता इस तरह के गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं। यदि यह भी समीकरण नहीं जम पाया तो, ऐन वक्त पर भाजपा का राकांपा के साथ भी तालमेल हो सकता है। तीनों ही स्थिति में जिला परिषद की सत्ता भाजपा के हाथ में ही रहने की प्रबल संभावना है और पार्टी नेता हर तरह की संभावनाओं एवं उनके दूरगामी राजनीतिक परिणामों को सोचकर निर्णय लेने की बात कह रहे हैं।

जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए भाजपा में अनेक दावेदार अपना दावा रख रहे हैं। लेकिन खुलकर कोई भी कुछ कहने से बच रहा है।

भाजपा में वैसे भी जिले के अधिकतर निर्णय नागपुर से ही होते आए हैं। जिले के नेताओं में किसी एक नाम पर सहमति न बनने पर केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी एवं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मर्जी से ही अंतिम निर्णय होगा। लेकिन सारे राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए अब यह लगभग तय हो चुका है कि गोंदिया जिला परिषद पर भाजपा की ही सत्ता स्थापित होगी। कोरोना के चलते जिला परिषद के आम चुनाव लगभग डेढ़ वर्ष से भी अधिक देरी से जनवरी 2022 में हुए थे। तीन माह के इंतजार के बाद जिप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना जिलाधिकारी ने जारी की है। जिसके चलते 10 मई को जिप के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होनेवाले है।

संपादकीय

बिजली की किल्लत

गर्मी ने इस साल मार्च से ही तेवर दिखाने शुरु कर दिए और मार्च में देश का औसत तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1901 में जब से रेकॉर्ड रखना शुरु किया गया तब से लेकर अब तक का अधिकतम तापमान है। फिलहाल देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंचा हुआ है। इस वजह से बिजली की खपत बढ़ना स्वाभाविक है।

देश के कई इलाकों में एक तरफ हीट वेव चल रही है तो दूसरी तरफ बिजली संकट ने गंभीर रुप ले लिया है। दिल्ली में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि विभिन्न अस्पतालों और मेट्रो तक पर असर पड़ने की आशंका जताई जाने लगी है। कई राज्यों में इंडस्ट्री से बाकायदा बिजली की खपत कम करने को कहा गया है। कोरोना और यूक्रेन युद्ध के झटकों के बावजूद खड़ी हो रही इकॉनमी के सामने यह एक और बड़ी चुनौती आ खड़ी हुई है। बिजली की कमी की वजह कोयले की कमी को बताया जा रहा है। आज भी देश में करीब 70 फीसदी बिजली उत्पादन कोयले की मदद से ही होता है। और देश के पावर प्लांटों में कोयले की उपलब्धता का यह हाल है कि इस महीने की शुरुआत के मुकाबले भी इसमें 17 फीसदी की कमी आ गई है। यह आवश्यक स्तर का बमुश्किल एक तिहाई है। लेकिन यह तो संकट का सिर्फ एक पहलू है। सप्लाई में कमी के साथ ही जो चीज इस संकट को ज्यादा गंभीर बना रही है वह है मांग में अप्रत्याशित बढ़ोतरी। गर्मी ने इस बार न केवल समय से पहले दस्तक दे दी बल्कि इसकी तीव्रता भी काफी बढ़ी हुई है। इस साल मार्च में देश का औसत तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1901 में जब से रेकॉर्ड रखना शुरु किया गया तब से लेकर अब तक का अधिकतम तापमान है। अभी भी देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के ट्टपर पहुंचा हुआ है। यानी आम तौर पर गर्मी की जो स्थिति मई में बनती है, वह अप्रैल में बनी हुई है।

स्वाभाविक ही इसका परिणाम यह हुआ कि बिजली की खपत और मांग में जबर्दस्त बढ़ोतरी हो गई है। इससे निपटने के लिए सरकार ने अपने स्तर पर कई कदम उठाए हैं। मसलन, अधिकतम संभव कोयला उत्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, गैर बिजली सेक्टर को कोयला आपूर्ति पर राशनिंग की भी व्यवस्था की जा रही है। लेकिन ये कदम हालात को और बिगड़ने से रोकने में कुछ मदद भले करें, इन्हें सुधारने में समर्थ नहीं हैं। गौर करने वाली बात यह भी है कि मौजूदा संकट के लिए भले गर्मी पर दोष डाल दिया जाए, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले अक्टूबर में भी ऐसा ही संकट आया था। और गर्मियों में हर साल कोयले की कमी से बिजली की सप्लाई बाधित होने की बात कही जाती रही है। फिर भी इसका कोई हल नहीं निकाला गया। इस मुद्दे को लेकर राज्यों और केंद्र के बीच राजनीति भी शुरु हो गई है। यह राजनीति बंद होनी चाहिए। इसके साथ ऐसे उपाय किए जाएं ताकि हर साल गर्मियों में लोगों को बिजली कटौती की मार न झेलनी पड़े।

पिछले महीने लोकसभा में यह सवाल उठा था कि मनरेगा के बजट में कटौती की गई है, जिसके कारण मजदूरों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें काम मिलने और समय पर मजदूरी के भुगतान की कानूनी गारंटी कमजोर पड़ रही है। ऐसे में सरकार को पर्याप्त आबंटन सुनिश्चित करना चाहिए। गौरतलब है कि मनरेगा का बजट 2020 की तुलना में पैंतीस फीसद तक कम हो चुका है।

दूसरी ओर, बीते दो-ढाई सालों के दौरान बेरोजगारी में लगातार बढ़ोतरी हुई है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि महामारी से बचाव के क्रम में बार-बार पूर्णबंदी के दौरान मनरेगा के तहत होने वाले कुछ काम ने करोड़ों गरीब परिवारों को बड़ी राहत दी थी। तथ्य यह है कि मनरेगा जैसे कार्यक्रम के जरिए अपनी रोजी-रोटी चलाने वाले तबके देश के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। कायदे से काम करने लायक हर हाथ को पूरे साल काम की गारंटी होनी चाहिए, लेकिन मनरेगा के तहत तय गारंटी के बावजूद उन्हें या तो रोजगार नहीं मिल पाता या फिर मेहनताने का भुगतान नहीं होता। लेकिन अब अगर इसके तहत होने वाले काम की मजदूरी नहीं दी जा पा रही है, तो यह सरकार के लिए चिंता का प्राथमिक विषय होना चाहिए।

मेहनताने से वंचित

देश के ग्रामीण इलाकों में लोगों की आजीविका की सुरक्षा के लिए जब मनरेगा यानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया गया था, तब उसका मकसद साफ था। शहर केंद्रित रोजगार के विकेंद्रीकरण के समांतर गांवों में रहने वाले लोगों को स्थानीय स्तर पर काम और उचित मेहनताना सुनिश्चित किया जाए, ताकि पलायन या विस्थापन जैसी व्यापक समस्याओं पर काबू पाया जा सके।

इस कानून के लागू होने के बाद व्यवहार में काफी हद तक बदलाव होता दिखा भी, जब महज सौ दिन के काम की गारंटी होने के बावजूद नौकरी के लिए शहरों का रुख करने वाले लोगों की तादाद में कमी दर्ज की गई। जाहिर है, अगर स्थानीय स्तर पर लोगों को आय का कोई जरिया मिले, रोजी-रोटी का इंतजाम हो जाए, तो वे रोजगार के लिए शहरों को प्राथमिकता नहीं देंगे।

लेकिन इस कानून के तहत चलने वाली व्यवस्था को जहां मजबूत किया जाना चाहिए था, वहीं बाद के वर्षों में सरकारों ने इसे गैर-महत्व की किसी योजना की तरह देखना शुरु कर दिया। यह समझना मुश्किल है कि जिस व्यवस्था से एक बड़ी समस्या की सूरत में बदलाव की गुंजाइश बन सकती थी, उसे मजबूत करने के बजाय सरकारों ने उसके बजट में कटौती करना क्यों शुरु कर दियाफ

आज हालत यह है कि ग्रामीण इलाकों में मनरेगा के तहत कराए जाने वाले काम के बदले मजदूरों को वक्त पर उनके मेहनताने का भुगतान भी नहीं मिल पा रहा है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसके तहत हुए काम की मजदूरी के तौर पर मजदूरों का चार हजार साठ करोड़ रुपए का बकाया अभी अटका हुआ है।

यह अफसोसनाक तस्वीर खुद ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज को लेकर ग्रामीण विकास और पंचायती राज से संबंधित स्थायी समिति की एक रिपोर्ट में सामने आई है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय की ओर से किए जाने वाले कार्यों से संबंधित नौ हजार करोड़ का भुगतान भी अभी अधर में लटका है। आए दिन एक मजबूत अर्थव्यवस्था के बूते विश्व में महाशक्ति के तौर पर देश के उभरने के दावे के बीच यह हालत निश्चित रुप से परेशान करने वाली है कि बहुत कम मेहनताने पर निर्भर लोगों और तबकों को भी उनकी मजदूरी नहीं मिल पा रही है।

पृष्ठ 1 से

देश के विकास में...

मस्स विज निर्मिती आदि कार्य किए गए हैं।

आगे पालकमंत्री ने कहा कि महा आवास योजना ग्रामीण में गोंदिया जिला राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, यह जिले के लिए गौरव है। शासन की विभिन्न योजना का जिले में सभी शासकीय यंत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया गया है तथा जिले के विकास के लिए शासन व प्रशासन कटिबद्ध है, ऐसा विश्वास पालकमंत्री ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया। जिसमें पुरुष व महिला पुलिस बल, पुरुष व महिला होमगार्ड पथक, पुलिस बैंड पथक व अग्निशमन दल द्वारा परेड संचालन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी नयना गुंडे जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे प्रमुख उपस्थित थे। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शीतल पुड, निवासी उप जिलाधिकारी स्मिता बेलपत्र, उपजिलाधिकारी सुभाष चौधरी के साथ विभिन्न विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंजूश्री देशपांडे ने किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को पालकमंत्री के हस्ते सत्कार किया गया।

बच्चों का टीकाकरण

टीकाकरण की बदौलत ही बच्चों से लेकर बड़ों और वृद्धों तक को महामारी के खतरे से बचाया जा सका।

इसमें कोई संदेह नहीं कि सफल टीकाकरण अभियान से भारत ने कोरोना महामारी पर काफी हद तक काबू पाने में कामयाबी हासिल की। टीकाकरण की बदौलत ही बच्चों से लेकर बड़ों और वृद्धों तक को महामारी के खतरे से बचाया जा सका। हालांकि बच्चों के टीकाकरण का काम पिछले महीने ही शुरु हुआ है, पर अब तक करोड़ों बच्चों को टीके लग चुके हैं। बच्चों के सफल टीकाकरण की बड़ी वजह यह भी है कि पिछले कुछ महीनों में कई टीके बाजार में आ गए हैं। अब भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीडीआई) ने बच्चों के लिए कुछ और टीकों को हरी झंडी दे दी है।

भारत बायोटेक का बनाया कोवैक्सीन छह से बारह साल के बच्चों को लगाया जाएगा। इसके अलावा पांच से बारह साल के बच्चों के लिए कोर्बेवैक्स और बारह साल से अधिक के बच्चों को लिए जायकोव-डी को मंजूरी दी गई है। हालांकि ये सभी टीके आपात इस्तेमाल के लिए ही होंगे। वैसे अभी कई टीका निर्माता कंपनियां अलग-अलग आयुवर्ग के बच्चों के लिए टीकों के विकास में लगी हैं। ये टीके जितने जल्द आएंगे, टीकाकरण की रफ्तार भी उतनी तेज होगी।

गौरतलब है कि देश में टीकाकरण की शुरुआत पिछले साल जनवरी के मध्य में हुई थी। तब टीकों की भारी कमी थी और लक्ष्य था पूरी आबादी के टीकाकरण का। तब टीके भी कुछ ही कंपनियां विकसित कर पाई थीं। इसलिए तब प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण शुरु किया गया था। सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों और कोरोना योद्धाओं को टीके लगे। इसके बाद बुजुर्ग और पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों और फिर वयस्क आबादी की बारी आई। जब किशोरवय आबादी और बच्चों के टीके भी विकसित हो गए, तो इन्हें भी टीकाकरण अभियान में शामिल कर लिया गया।

बच्चों की चिंता ज्यादा इसलिए भी बनी रही, क्योंकि महामारी की दूसरी और तीसरी लहर को लेकर विशेषज्ञ पहले से ही आगाह करते रहे थे कि बच्चों को संक्रमण का खतरा ज्यादा हो सकता है। फिर लंबे समय के प्रतिबंध के बाद जब स्कूलों के खुलने की बात आई तो सबसे पहली जरुरत यही समझी गई कि किशोर आबादी का टीकाकरण हो।

इसीलिए बारह से अठारह साल के बच्चों का टीकाकरण शुरु हुआ। फिर इसी कड़ी में पिछले महीने से बारह से चौदह साल के बच्चों को भी टीकाकरण की मुहिम में जोड़ लिया गया। अब छह से बारह साल के बच्चों के लिए भी रास्ता साफ हो गया है। इसे मामूली कामयाबी नहीं माना जा सकता कि बारह से अठारह साल के बीच की साढ़े आठ करोड़ आबादी को पहली खुराक और साढ़े चार करोड़ बच्चों को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है।

टीकाकरण अभियान में जब-तब बाधाएं भी आती रही हैं। इसके पीछे टीकों की कमी, कुप्रबंधन, लोगों और सरकारों के स्तरों पर लापरवाही जैसे कई कारण रहे। लेकिन अब शायद पहले जैसी स्थिति तो नहीं है। अब तक एक सौ अठासी करोड़ टीके लग जाने का मतलब यही है कि आबादी के बड़े हिस्से को कम से कम एक खुराक दे दी गई है। नब्बे करोड़ से ज्यादा लोगों को टीके की दोनों खुराक लग चुकी हैं।

सतर्कता खुराक भी दी ही जा रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से फिर से कुछ राज्यों में मामले बढ़ने से चिंता बढ़ गई है। मास्क पहनने को फिर से अनिवार्य किया जा रहा है। सच तो यह है कि हम बड़े संकट से बच तो गए हैं, पर खतरा अभी टला नहीं है। ऐसे में टीकाकरण और बचाव संबंधी उपाय दोनों की अनदेखी महंगी पड़ सकती है।

गर्मीयो के इस मौसम में हर कोई गर्मी से बचने के उपाय ढूंढ़ता नजर आता है यही कहता नजर आता है आज कितनी गर्मी है है ना। वास्तव में अभी गर्मी की शुरुवात हुई है आगे और भी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में गर्मी से निजात पाने के लिए लोग काफी कुछ करते है। आप भी करते होंगे। पर हम कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहें हैं जिससे आप गर्मी के मौसम में भी हमेशा खिले रहें। आईये जानते है गर्मी से बचने के उपाए क्या हैं।

सिंथेटिक कपड़े कम पहने

गर्मियो में हमेशा कपड़ो का फैशन सर्दियों की अपेक्षा ज्यादा होता है। ज्यादातर गर्मियो में यलोरल तथा चमकदार कपड़ो का चलन ज्यादा होता है। ऐसे कपड़े बॉडी को ठंडा रखने में सहायक होते हैं क्योंकि गहरे रंग के कपड़े ताप को सोख लेते हैं जो की सबसे बड़ा गर्मी से बचने का तरीके में से एक है। सिंथेटिक कपड़ो की बजाय कॉटन या लिनन कपड़ो का प्रयोग ज्यादा करें क्योंकि सिथेंटिक कपड़े पसीने को नहीं सोखते।

इसके इलावा सिल्क के कपड़ो से भी दूर रहे क्योकि ये कपड़े धूप में आने से ओर ज्यादा गर्म हो जाते है जिससे बॉडी हीट बढ़ती है जब पसीना आता है तो ये फेब्रिक आपकी स्किन को चिपक जाता है जो अच्छा नही दिखता। एक गलती जो लोग करते है वह है कम कपड़े पहनना। यदि आपको लंबे समय तक सूर्य की रोशनी में रहना है तो कॉटन की पूरी बाजू के ही कपड़े पहने और ज्यादा टाइट कपड़े भी न पहनें।

ज्यादा ठंडे पानी से न नहाए

अपनी स्किन के तापमान को कम करने के लिए आप मैश किये हुए आलू तथा गुलाब जल से बना मास्क अपने चेहरे पर लगायें इससे आपकी त्वचा फ्रेश महसूस करेंगी। एलोवेरा जेल ऑयली स्किन के लिए बहुत अच्छी है ये आपकी स्किन को थोड़े समय में ही सुख देती है। यदि आपकी त्वचा ड्राई है तो इसे न लगाएं। गर्म पानी से न नहाएं।

इसके साथ ही ठंडे पानी से भी परहेज करें क्योंकि ठंडा पानी आपके शरीर के अंदरुनी तापमान को बड़ा देता है। क्योंकि आपकी बॉडी ताप को सरंक्षित करने के प्रयास में पसीने को नही बनने देता। गर्मियो में पसीना आना भी जरुरी है ये भी एक बॉडी कूलेंट का काम करता है। ठंडे ओर गर्म पानी की बजाय हल्के गुनगुने पानी से नहाएं। अगर ज्यादा पसीना आता है तो अपने कपड़े दिन में 2 या 3 बार जरुर बदलें क्योकि अधिक पसीना फंगल इन्फेक्शन पैदा करता है और गर्मी से एलर्जी तक हो सकती है जो आगे चलकर छालों का रुप ले लेती है।

सेंधा नमक का अधिक प्रयोग

जो लोग ज्यादातर बाहर काम करते है और उन्हें धूप में ज्यादा रहना पड़ता है उन्हें अपने शरीर को ठंडा रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी में थोड़ा निम्बू तथा सेंधा नमक मिलाकर थोड़े थोड़े टाइम बाद पीते रहना चाहिए इससे बॉडी हाइड्रेट रहेगी। ये भी गर्मी से बचने का बहुत अच्छा उनाय है। अगर आप एक्सरसाइज करते है तो भी अपने पास ये घोल रखे और सेवन करते रहें। सेंधा नमक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मासपेशियो में रक्तप्रवाह को बढ़ाता है और कोशिकाओं में तरल का सही स्तर बनाये रखता है।

यदि सुबह आप ज्यादा धूप में रहे ही ओर शाम को एक्सरसाइस का टाइम निकलना मुश्किल हो तो आप हल्की फुल्की घर पर ही एक्सरसाइज कर सकते है। जिसमे मुख्यत: पुशअप्स, स्कवॉट्स, प्लंक्स, तथा पुल्लअप्प्स शामिल हों। इनसे शरीर की सभी मुख्य मांसपेशियों कसरत होती है। हर तरह की कसरत शरीर मे ताप पैदा करती है। यदि आप खुद को कूल रखना चाहते है तो कसरत के बाद थोड़ी स्ट्रेचिंग तथा हल्का योगा बहुत बढ़िया साबित होगा।

लो फैट चीजो का अधिक सेवन करें

अक्सर सब कहते मिलते है की गर्मी में क्या खाएं क्योकि गर्मियो में खाने की चीजो से भी शरीर मे गर्मी हो जाती है ऐसे में आप पानी से भरपुर चीजो जैसे सेब तरबूज खीरा भरपूर मात्रा में लें। इसके साथ लोकी टमाटर तथा हरी सब्जियों को भी अपने खाने में शामिल करें। मांस मदिरा से तो बिल्कुल दूर रहें क्योकि इस प्रकार के भोजन को पचाने के लिए अधिक समय लगता है इससे थर्मोजेनेसिस पैदा होता है जो आपके अंदर गर्मी पैदा करता है। ग्रेवी वाली डिशेज, फाइड फूड तथा मसले युक्त स्नैक्स के सेवन से बचें।

मीट के स्थान पर प्रोटीन के अन्य स्रोतों वाले खाद्यों जैसे दही तथा कम फैट वाले कॉटेज चीज का सेवन करें। इन्हें कूलिंग फूड कहा जाता है। आप लस्सी या छाछ का सेवन भी कर सकते हैं इससे शरीर की अंदरुनी गर्मी से राहत मिलती है। इसके इलावा आप घर पर मोंगरे के पत्तो से शर्बत भी तैयार कर सकते हैं। जो आपके शरीर को ठंडा रखता है। कैफीन का सेवन कम कर दें क्योंकि कैफीन एक मूत्रवर्धक है और गर्मी में तो पहले ही आपके शरीर से बहुत पानी निकलता है।

गर्मियों के खतरे

जैसे जैसे गर्मी बढ़ती है उसके साथ ही गर्मी से होने वाले खतरे भी बढ़ने लगते हैं। अगर आप गर्मी से बचने के उपाए नहीं करते तो आप कई बीमारियों से ग्रसित हो सकते है। आइए जानते हैं कि गर्मियों में सबसे अधिक खतरा कैसे होता है और उसका तुंरत उपचार कैसे करें -

डीहाइड्रेशन

गर्मी के कारण आपकी बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। ऐसा तब होता है जब आप काफी समय से काम मे व्यस्त है या ज्यादा बॉडीवर्क करते है और आपने काफी समय से पानी नहीं पीया इससे गर्मी में डीहाइड्रेशन की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

अपनी बॉडी को डीहाइड्रेशन से बचने के लिए नियमित रुप से थोड़े थोड़े टाइम बाद पानी पीते रहें। अगर आपका गला बार बार सूख रहा है तो ये संकेत है कि आपकी बॉडी हाइड्रेट नहीं है।

जिस दिन बहुत ज्यादा गर्मी है उस दिन जोरदार व्यायाम या अभ्यास से बचें क्योंकि इससे आपके शरीर का पानी जल्दी सूखता है। सुबह जल्दी और देर शाम जब ठंडक हो तभी भारी अभ्यास करें।

डीहाइड्रेशन के संकेत

ज्यादा पसीना आ जाना, कमजोर या थका हुआ महसूस करना, मिचली महसूस करना, शरीर का तापमान बढ़ना, त्वचा का रंग पीला पड़ना या चेहरा पिला पढ़ना, बेहोशी आना

क्या करें?

अगर घर से बाहर हैं और डिहाइड्रेशन के संकेत मिलें तो किसी छायांकित ओर शांत जगह पर आराम करें। हो सके तो इलेक्ट्रॉल पेय अपने पास रखें और उसे समय समय पर पिएं। कॉर्बोनटेड और कैफीन युक्त पेय से बचें। यदि स्थिति नियंत्रित नहीं है तो एम्बुलेंस बुला कर हॉस्पिटल जाएं।

हीट स्ट्रोक

ज्यादा गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक की संभावना भी बढ़ जाती है जिसे लू लगना भी कहते है। कई बार धूप में ज्यादा देर तक रहने से धूप सिर पर लगातार पड़ते रहने से सिर ज्यादा गर्म हो जाने के कारण दिमाग मे गर्मी बढ़ जाती है और दिमाग मे ऑक्सीजन का प्रवाह काम हो जाता है और गर्मी की वजह से सिर दर्द होने लगता है जिससे हीट स्ट्रोक या लू लगना भी कहते हैं।

हीट स्ट्रोक के संकेत

आंखों के आगे अंधेरा आ जाना, एक दम से बेहोश हो जाना, नाक में से खून बहना, शरीर का तापमान एक दम से बढ़ जाना, त्वचा का रंग लाल हो जाना या नीला हो जाना

क्या करें?

सकेंत मिलने पर किसी करीबी को जल्द बताएं ताकि आपको सम्भाल सके। ठंडी जगह देखकर आराम करें। नार्मल पानी पियें। उस व्यक्ति को ठंडे पानी से भिगोयें और तेज तेज पंखा करे। अगर स्थिति अनियंत्रित है तो हॉस्पिटल जाएं।

हीट रैशेस

गर्मियों में पसीना अधिक आने के कारण शरीर की त्वचा पर भी असर होता है। पसीना शरीर पर आता रहता है और जमता रहता है जिसके कारण त्वचा पर कई बार खुजली कि होने लगती है और गर्मी से एलर्जी हो जाती है और लाल हो जाती है। कई बार ज्यादा खुजली करने के कारण बहुत लाल हो जाती है। शरीर की त्वचा पर चुभन सी होती है जिसके कारण इसे कांटेदार गर्मी भी कहा जाता है।

हीट रैशेस के लक्षण

छोटे गुलाबी या लाल रंग की त्वचा या फिर छोटे छोटे दाने निकलना। जलन, खुजली या त्वचा पर चुभन से महसूस होना। ऐसा तब होता है जब शरीर का पसीना आसानी से वाष्पित नहीं हो पाता।

क्या करें?

- जितना संभव हो सके त्वचा को साफ और शुष्क बना कर रखें इससे संक्रमण की संभावना कम होती है।
- ठंडे पानी और कूलर की सहायता से शरीर का तापमान नियंत्रित करें।
- ढीले सूती कपड़े पहने।
- प्रभाव को कम करने के लिए विशेष प्रकार के लोशन का प्रयोग करें।

गर्मी में घर से बहार निकलते वक्त छाते का प्रयोग अवश्य करे घर से बाहर पानी या ठंडा शरबत पी कर ही बाहर निकले जैसे आम पन्ना और शिकंजी ज्यादा फायदेमंद है अगर तेज धुप में थे तो एक दम से ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए इन सब गर्मी से बचने के तरीको से आप खुद का गर्मी से बचाव कर सकते हैं।

नन्ही कड़ी में...

प्रेम की महक आ गई

तमन्ना मतलानी, गोंदिया

महफिलों की चाहत थी, तन्हाई वो निभा गई,
साथ था माँगा खुशियों से, अकेले जीना सिखा गई,
हंसना चाहा था जीवन भर लेकिन आँखो से नीर बहा गई,
फिर भी आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

अधूरे ख्वाबों को वो फिर से दिखा गई,
भूल गई थी जो यादें वो फिर से याद करवा गई,
टूट गए थे आईने जो, उन्हें दर्पण बना गई,
फिर भी आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

हँसी के दिनों में वो फिर से रुला गई,
दिन छोटे और रातें लंबी बना गई,
सूखे जख्मों को कुरेदकर खुशी कहीं चली गई,
फिर भी आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

आज की बारिश तो जैसे कहर सा ढा गई,
गीले सिर को तौलिये से पोछना भुला गई,
खुशियों को मातम में बदलकर वो चली गई,
फिर भी आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

वीरान सड़कों पर कदमों के निशान बना गई,
चलना था दूर तक पर रास्ते पर ही थका गई,
पास थी जो मंजिल मेरी उसे दूर सरका गई,
फिर भी आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

जो पाने का था जज्बा उसे अधूरा छोड़ गई,
हालातों से लड़ने की हिम्मत तो बहुत जुटा गई,
पर न जाने क्यों हार का एहसास भी करा गई,
फिर भी आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

जिंदगी कानों में होले से आकर बुदबुदा गई,
उसकी यादों के आगे एक जहां और भी है,
इसी एक आवाज में जिंदगी मुझे बहुत कुछ कहना सिखा गई,
लो फिर आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

कुछ पाने की ललक में जिंदगी जीना सिखा गई,
गिरकर फिर संभलना है कैसे, चोट देकर सिखा गई,
न हारेंगे, न रुकेंगे, ऐसा आत्मविश्वास का सबक दे गई,
लो फिर आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

ऐ जिंदगी! तू मुझे क्या-क्या न सिखा गई,
कि न थकना तुझे है, न रुकना मुझे है,
चलना था मुश्किल पर तू तमन्ना को भी दौड़ना सिखा गई,
लो फिर आज जिदगी में प्रेम की महक आ गई...

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से २२७ करोड़ रुपयों की
महत्वाकांक्षी जलापूर्ति योजना को मिली मंजूरी

तहसील के फुलचुर, फुलचुरटोला, पिंडकेपार, मुर्री, कारंजा सहित 106 गाँवों को मिलेगा पीने का शुद्ध जल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया तहसील में पिछले दो दशक से अधिक समय से पीने के शुद्ध जल के संकट से गुजर रहे ग्रामों को इस समस्या से निजात दिलाने विधायक विनोद अग्रवाल सतत प्रयासरत रहे है। उनका संकल्प है कि हर-घर नल और हर-घर पीने का शुद्ध जल ग्रामीण नागरिकों को प्राप्त हो। इस हेतु उन्होंने जो कड़ा संघर्ष किया, उस पर उन्हें सफलता प्राप्त हुई है। हाल ही में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत गोंदिया के लिए महाराष्ट्र शासन के पानी पुरवठा व स्वच्छता विभाग के शासन निर्णय क्र. जजिमी -2002/प्र.क्र.127/पापु.-13 के तहत 27 अप्रैल 2022 को 227 करोड़ रुपये के कार्य को मंजूरी प्रदान हुई है।

गोंदिया तहसील के अनेक गाँव आज भी शुद्ध जल के संकट से गुजर रहे है। कई गाँव में महज खानापूर्ति के लिए चलाई गई जलापूर्ति योजना आज दम तोड़कर शो-पीस बनी हुई है। विधायक

विनोद अग्रवाल का संकल्प था कि मैं हर गाँव में हर-घर नल और घर-घर पीने का शुद्ध जल पहुंचाने का प्रयास करु। आज उस संकल्प को कामयाबी मिल चुकी है और जल्द ही नागरिको को स्वप्न साकार होनेवाले है। जल्द ही क्षेत्र के नागरिको को इस गर्मी के मौसम में पानी के भीषण संकट से छुटकारा मिलेगा। योजना के लिए धापेवाड़ा सिंचन योजना से अलग पाईप लाईन बिछाई जाएगी। इसमें तहसील के फुलचुर, फुलचुरटोला, पिंडकेपार, नंगपुरा मुर्री, कारंजा, डांगोर्ली, दासगांव खुर्द, दासगांव बुजुर्ग, गिरोला, लोहारा, निलज, पांढराबोडी, कामठा, रावनवाड़ी, सावरी, परसवाड़ा, सिरपुरटोला, मुंडीपार, आसोली, तांडा, अदासी, खमारी, तुमखेड़ा खुर्द, चुलोद, टेमनी, मुंडीपार, ढाकनी, बटाना, एकोडी, घिवारी, डोंगरगांव, हिवरा, मजितपुर, तेढ़वा, गर्रा बु., नागरा, चुटिया, बघोली, गंगाझरी एवं मुरपार का समावेश हैं। इन 39 पंचायतों के अंतर्गत आने वाले करीब 106 गाँव को इस योजना का लाभ मिलेगा। फिलहाल 1 लाख 55 हजार की जनसंख्या को इसका लाभ होगा, इस योजना के तहत प्रतिदिन, प्रति व्यक्ति 55 लिटर पीने का शुद्ध जल मिलेगा।

जर्जर उड़ान पुल पर यातायात बंद करने के आदेश का नहीं हुआ पालन

बुलंद गोंदिया - जर्जर अवस्था में पहुंच चुके शहर के उड़ान पुल को बंद करने के आदेश जिलाधिकारी द्वारा 2 मई को ही लोक निर्माण विभाग को दे दिया गया था। लेकिन बुधवार 4 मई को भी इस जर्जर उड़ान पुल को बंद नहीं किया गया। जिस कारण पुलिया से जानलेवा सफर देर रात तक चलता रहा। आदेशों की किस तरह से अनदेखी की जाती है, इसका प्रत्यक्ष दृश्य बुधवार को देखा गया है।

गौरतलब है कि 1952 में गोंदिया-बालाघाट मार्ग पर उड़ान पुल का निर्माण किया गया था। जिसे 70 वर्ष पुरे हो चुके है। अब इस उड़ान पुल की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि उसे बंद करना ही एकमात्र विकल्प है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2014 में ही यह उड़ान पुल आवागमन के लिए किसी खतरे से कम नहीं, इस तरह की सूचना रेलवे विभाग ने जिला प्रशासन को दी थी। क्योंकि इस उड़ान पुल के निचे से मुंबई-हावड़ा रेलवे लाईन गुजरती है, लेकिन इस ओर अनदेखी ही की गई। फिर से 2018 में इस उड़ान पुल की जांच करते हुए सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग द्वारा अहवाल प्रस्तुत किया गया था कि पुराना उड़ान पुल जर्जर हो चुका है। अहवाल के चार साल बाद जिला प्रशासन ने 2 मई को आदेश जारी किए कि 2 मई से इस उड़ान पुल को आवागमन करने के लिए बंद किया जाए। बावजूद सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग द्वारा इस उड़ान पुल को बंद नहीं किया गया। बुधवार 4 मई को भी इस उड़ान पुल से जानलेवा सफर जारी था। सरकारी विभाग ही सरकारी आदेशों का किस तरह से उल्लंघन करता है यह प्रत्यक्ष उदाहरण उपरोक्त उड़ान पुल को बंद करने के आदेश से देखा जा सकता है।

रात से बंद किया जाएगा उड़ान पुल

उड़ान पुल बंद करने के आदेश के अनुसार बुधवार 4 मई की रात से पुराने उड़ान पुल से आवागमन बंद किया जाएगा। बंद करने के बाद जिस कंपनी को पुल निर्माण का काम दिया गया है। उस कंपनी के माध्यम से उड़ान पुल को तोड़ने का काम शुरु किया जाएगा। लगभग 132 करोड़ रुपए की निधी को मंजूरी मिल चुकी है। इस निधी से 1300 मीटर का उड़ान पुल निर्माण किया जाएगा।

- सुनील बडगे, उपविभागीय अभियंता, पीडब्ल्यूडी, गोंदिया

ब्राम्हणों ने सदैव समाज की शक्ति बढ़ाने का किया कार्य

समग्र ब्राम्हण समाज गोंदिया द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आभा पांडे का कथन

समाज की प्रतिभाओं का किया सत्कार

बुलंद गोंदिया - समग्र ब्राम्हण सभा अनेकता में एकता लाकर समाज की शक्ति बढ़ाने का कार्य कर रहा है। वैवाहिक कार्य, दहेज प्रथा, शिक्षा क्षेत्र, रोजगार एवं परिवारिक जवाबदारी विषय पर सिविल लाइन हनुमान चौक स्थित महिला मंडल सभागृह प्रांगण में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पूर्व संध्या पर मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य आभा पांडे द्वारा उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि समग्र ब्राम्हण सभा द्वारा आयोजित सत्कार समारोह में 56 प्रतिभाओं का सत्कार किया गया है। इन बच्चों में 14 एमबीबीएस, एमडी, बीडीएस एवं बीएएमएस व 36 बच्चे देश एवं विश्व की प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियों में चयन हुआ, वहीं 6 बच्चों का चयन प्रतिष्ठित बैंकों में हुआ है, यह सभी के लिए गर्व का विषय है। समग्र ब्राम्हण सभा के इस अद्वितीय कार्य के लिए मैं अपनी ओर से हार्दिक आभार प्रेषित करती हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि बहू को बेटी का स्थान प्रदान करना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में जहां एक ओर धनवान परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्ति में अड़चन नहीं आती, वहीं दूसरी ओर हमारे अपने समाज के मध्यम गरीब प्रतिभावान युवक-युवतियों के उच्च शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए। साथ ही वैवाहिक समारोह के समान ही रोजगार समारोह आयोजित होना चाहिए। वर्तमान समय में उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने वाले प्रतिभावान युवक-युवतियों को नौकरी करने के बजाय स्वयं के रोजगार पर ध्यान देना चाहिए।

आयोजित समारोह कार्यक्रम में अन्य अतिथियों में प्रख्यात साहित्यकार श्रीकांत गोडबोले ने कहा कि जब तक राजधर्म को संचालित करने वालों में त्याग की भावना नहीं होंगी, राष्ट्र और समाज का कल्याण नहीं होगा। इसके लिए उन्होंने चिरंजीवी भगवान परशुराम का उदाहरण दिया। जिन्होंने 21 बार समस्त पृथ्वी को जीतने के बाद भी इदं न मम कहकर समस्त पृथ्वी को दान करके तपस्या के लिए निकल गए। इसके पूर्व भगवान परशुराम के छायाचित्र का विधि विधान से पूजन, दीप प्रज्वलन व पुष्प माला अर्पित की गई। कार्यक्रम की प्रस्तावना पंडित नीलेश चौबे ने रखी।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी तिरोड़ा नगर परिषद के पूर्व नगर अध्यक्ष स्मृति शेष डॉ. चंद्रकुमार दुबे की स्मृति में विशिष्ट क्षेत्रों, शासकीय सेवा चयनित 56 समाज बंधुओं को सम्मानपत्र, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बालाघाट से पधारे सर्व ब्राम्हण समाज अध्यक्ष पंडित किरण त्रिवेदी ने अपने संबोधन अपने समय के उचित विचार रखें।

मंच पर डॉ.अनिल दुबे भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतुल दुबे व वसुधा पिंपलापुरे ने किया। इनका सहयोग विश्वजीत बाजपेई, बंटी मिश्रा ने दिया। आभार प्रदर्शन पंडित अरुण दुबे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनूप शुक्ला, विनोद हिरडे, राजेश दवे, प्रसाद बेडेकर, नितिन गोखले, मुकेश मिश्रा, दिनेश त्रिवेदी, शैलेंद्र मिश्रा, संजीव राय, भारत शुक्ला, सुधांशु मिश्रा, सुनील तिवारी, देवेश मिश्रा, अब्बू पांडे, लता बाजपेयी, कल्पना मिश्रा, पूजा तिवारी, ममता तिवारी आदि कार्यकर्ताओं ने विशेष सहयोग दिया।

रमजान ईद का पर्व भाईचारा और कौमी एकता के साथ सामाजिक सद्भावना लेकर आता है पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया - रमजान ईद के मुबारक अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल शहर के पुनाटोली स्थित ईदगाह परिसर में पहुंचकर समाज बंधुओं को ईद के पर्व की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ईद का यह पर्व भाईचारा और कौमी एकता के साथ-साथ सामाजिक सद्भावना लेकर आता है। इसमें सिर्फ मुस्लिम समाज बंधु ही नहीं तमाम गोंदिया शहर के सभी नागरिक इस पर्व में शामिल होकर सामाजिक एकता बरकरार रख पूरे देश में एक मिसाल कायम करने का कार्य करते हैं। गोंदिया शहर के साथ-साथ पूरे देश में यूं ही सामाजिक भाईचारा बना रहे ऐसे उद्गार इस अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर अशोक चौधरी, पंकज रहागडाले, भावना कदम, सुनील केलनका, मनोज पटनायक, राजेश चौरसिया, वेंकट पाथरु, सचिन बंटी मिश्रा, सुल्तान तिगाला, जलीलभाई पठान, खलीलभाई पठान, भद्दुभाई पठान, शकीलभाई मंसूरी, जमीलभाई सलामभाई, बब्बूभाई, जलालुद्दीन खान, बबलू पटेल, निसार मंसूरी, बाबू रंगरेज, राकेश ठाकुर, सुनील तिवारी, भागवत मेश्राम, आवेश पोथियावाला, मैनुद्दीन तिगाला, कैजार हुसैन, हाजी नियाजभाई, हाजी सिराज सोलंकी सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान श्री परशुराम चौक का रामनगर में उद्घाटन

बुलंद गोंदिया - अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर रामनगर जलाराम मंदिर के समीप दादासाहेब तिवारी के निवास के सामने भगवान परशुराम चौक का उद्घाटन नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष शिव शर्मा के हस्ते हुआ। इस अवसर पर शीला तिवारी, एडवोकेट कु.सुजाता तिवारी, डॉ संगीता तिवारी, श्रीमती कस्तूरी दीक्षित, शोभा बाजपेई, अनीता दिक्षित, कविता राय, स्वाति राय, कुशल शर्मा, रचना राय, कुसुमबेन पटेल, श्रीमती आभा तिवारी, श्रीमती खुशबू गुप्ता, गणेशप्रसाद राय, एड.जानी, हरीश मीरानी, दीपक पोपट, मनोज दीक्षित, गौरीशंकर राय, जितेंद्र जीवाणी, संजय गुप्ता, योगेश गोटे, सोनू गोटे, रिंकू शर्मा, एड.रामाशंकर राय, गजानन राय, हरीश गुप्ता, हार्दिक जीवानी, चिराग जीवाणी, जितेंद्र तिवारी, अजय यादव, आशु शर्मा, राकेश चौहान, आर्यन राय, विनायक राय, स्नेहा राय, वानु राय व समग्र ब्राम्हण समाज के महिला पुरुष व बच्चे व रामनगर निवासी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने मुस्लिम समाज भाईयों को गुलाब का फुल भेंट देकर दी ईद की बधाई

बुलंद गोंदिया - रमजान ईद के खुशनुमा पर्व पर सभी मुस्लिम समाज भाईयों एवं तमाम नागरिको को बधाई देने के लिये गोंदिया शहर राष्ट्रवादी काँगेस की ओर से ईदगाह के सामने कार्यक्रम का आयोजन पुर्व विधायक राजेंद्र जैन की उपस्थिती में किया गया। इस खुशनुमा अवसर पर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी के पदाधिकारीयो ने मुस्लिम समाज भाईयो से गले मिलकर उन्हें गुलाब का फुल भेंट देकर ईद की शुभकामनाये दी। राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी ने समाजबंधुओ को लडडु वितरीत किये। समाज में आपसी भाईचारा बढाने वाली ईद के खुशनुमा अवसर पर समाज बंधुओं को शुभकामनाये देने के लिये उपरोक्त स्थान पर आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रुप से राजेंद्र जैन, जनकराज गुप्ता, अशोक सहारे, मनोहर वालदे, राजू जैन, विनित सहारे, खालिदभाई पठान, सचिन शेंडे, जिमी गुप्ता, संजीव रॉय, एकनाथ वहिले, लखन बहेलिया, आनंद ठाकूर, शैलेश वासनिक, श्याम चौरे, नागो बन्सोड, सौरभ रोकडे, नागरतंन बन्सोड, लक्ष्मीकांत डहाट, बालू कोसरकर, बसंत गणवीर, शरभ मिश्रा, मंगेश रंगारी, दर्पण वानखेडे, मोनू मोरकर, नरेंद्र बेलगे, वामन गेडाम, सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मादक पदार्थों की बिक्री व सेवन पर होंगी कड़ी कार्रवाई

जिला स्तरीय मादक पदार्थ विरोधी समिति का गठन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में मादक पदार्थ विरोधी जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया। जिसके लिए जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सभा लेकर मादक पदार्थ की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने तथा स्थानीय स्तर पर असरदार तरीके से समस्या को हल करने के लिए गठन हुआ है। सभा पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे की अध्यक्षता में आयोजित की गई तथा सभा में समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उपरोक्त समिति के सदस्यों का कार्य है कि जिले में मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाई के संदर्भ में नियमित समीक्षा लेना, जिले में खसखस अथवा गांजे की फसल का अवैध रुप से उत्पादन न होना, डार्कनेट व कुरियर के माध्यम से मादक पदार्थ की मांग व आपूर्ति न होना इस पर नियंत्रण रखना, व्यसन मुक्ति के लिए दाखिल होनेवाले व्यक्तियों की संख्या व उनके द्वारा कौन-सा मादक पदार्थ का व्यसन किया जाता है? इस संदर्भ में जानकारी प्राप्त करना, ड्रग पहचान करने की किट व टेस्टिंग केमिकल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जिलास्तर पर मादक पदार्थ के दुष्परिणामों की जनजागृति के लिए अभियान चलाने, जिला पुलिस एनसीबी व राज्य उत्पादन शुल्क विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी का संकलन कर उस संदर्भ में डाटाबेस तैयार करने, एनडीपीएस के अंतर्गत अपराध की जांच करने वाले जांच अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन, जिले में शुरु रासायनिक कारखानों में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ का उत्पादन न हो इसकी जांच करने तथा जो कारखाने बंद है उस पर विशेष नजर रखने तथा Nitiazepam, Avil, CodinSyp इन दवाइयों को लेने वाला कोई भी व्यक्ति बिना चिकित्सक के सलाह के बिना प्राप्त न करें तथा चिकित्सक की सलाह पर देने पर संबंधित व्यक्ति का आधार कार्ड व संपूर्ण पता, संपर्क नंबर रजिस्टर पर पंजीयन करने का निर्देश दिया गया है। समिति के माध्यम से जिले में मादक पदार्थ का सेवन व्यसन व उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयत्न किया जाए।

समिति में सीमा शुल्क केंद्रीय वस्तु व सेवा कर विभाग के क्षेत्रीय सहायक आयुक्त उपायुक्त सदस्य, उपविभागीय दंडाधिकारी सदस्य, जिला शल्य चिकित्सक, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, एनसीबी अधीक्षक, सहायक आयुक्त, फूड एंड ड्रग्स राज्य उत्पादन शुल्क, जिला कृषि अधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, प्रभात टॉकीज परिसर में नप की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के प्रभात टॉकीज परिसर में अतिक्रमण पर नगर परिषद का बुलडोजर चला, जिसमें 6 अतिक्रमण को हटाया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण पर अब कड़ा रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरु की गई है। जिसके चलते गुरुवार की दोपहर 12 बजे के दौरान गोंदिया शहर के प्रभात टॉकीज

परिसर में अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण को हटाया गया।

इस कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण को पूर्ण रुप से हटाया गया है। इसके अलावा शहीद भोला भवन से जयस्तंभ चौक तक अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया गया है। जिस पर प्रशासन द्वारा जल्द ही कार्रवाई किए जाने की संभावना है। उपरोक्त कार्रवाई गोंदिया नगर परिषद के प्रशासक करण चौहान के नेतृत्व में की गई।

कार्यवाही के दौरान नगर परिषद बांधकाम अभियंता डाली मदान, नगर रचना विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग आदि के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

अतिक्रमण कार्यवाही के दौरान स्थिति तनावपूर्ण

शहर के प्रभात टॉकीज परिसर में बरसों से ठेला लगाकर अपनी आजीविका चला रहे छोटे व्यापारियों का अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान उनका आक्रोश फूट पड़ा व कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गयी थी। किंतु उपस्थित अधिकारियों द्वारा तनावपूर्ण स्थिति को संभालते हुए अतिक्रमण की कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। भविष्य में नगर परिषद का बुलडोजर किस ओर रुख करेगा इस ओर सभी की निगाहे लगी हुई है।

वर्षा पटेल ने की नितिन गडकरी से भेंट

साकोली-लाखनी उड़ानपुल शुरु करने के संदर्भ में हुई चर्चा

बुलंद गोंदिया - मनोहरभाई पटेल एकेडमी की अध्यक्षा वर्षा प्रफुल पटेल का 28 अप्रैल 2022 को दिल्ली से नागपुर विमानतल पर आगमन होने पर इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भेंट हुई। इस मुलाकात के दौरान वर्षा पटेल द्वारा साकोली व लाखनी के उड़ानपुल को जल्द से जल्द शुरु करने के संदर्भ में चर्चा की। इसके साथ ही अन्य सुविधाओं संबंधी भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा साकोली व लाखनी उड़ानपुल की सुविधा नागरिकों को जल्द से जल्द उपलब्ध करवाकर देने व यातायात शुरु करने का आश्वासन वर्षा पटेल को दिया। जिस पर वर्षा पटेल द्वारा मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि 2 से ढाई वर्षो से साकोली व लाखनी के महामार्ग पर उड़ानपुल का काम शुरु है किंतु दोनों उड़ानपुलों का कार्य अधूरा है। जिसे पुल पर यातायात बंद होने से दोनों शहर में यातायात की भारी समस्या निर्माण हो रही है और नागरिकों को बेवजह तकलीफ उठानी पड़ रही है। जिसके चलते उपरोक्त पुल का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरु हो ऐसी मांग की गई।

मंजूरी दिलाने के बावजूद २ साल से सिटी सर्वे प्रलंबित

अधिकारियों पर बरसे विधायक विनोद अग्रवाल, पालकमंत्री ने दिये तत्काल कार्रवाई करने के सख्त निर्देश

राष्ट्रीयकृत बैंको का फसल कर्ज देने में आनाकानी

कृषि गोदाम की निर्मिति, विद्युत सबस्टेशन आदि पर पालकमंत्री का ध्यानकेन्द्रित किया

बुलंद गोंदिया - पिछले दो साल से गोंदिया का सिटी सर्वे का मामला लटका होने पर यह मामला गर्मागर्म माहौल में गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने जिला नियोजन समिति की सभा में पालकमंत्री का ध्यानकेन्द्रित कर कहा कि, गोंदिया के सीटी सर्वे के लिए वर्ष 2020 में मेरे माध्यम से मंत्रालय से मंजूरी लायी गयी थी। जिसके लिए 1 करोड़ की निधि भी प्राप्त हुई। बावजूद दो सालों से इस कार्य को प्रारंभ नहीं किया गया। उन्होंने कहा सिटी सर्वे में ढीलाई जानबुझकर बरती जा रही है। भूमि अभिलेख विभाग द्वारा जमीन के गोरखधंधे पर भूमाफियाओं को मदद की जा रही है, जिससे शहर में आपराधिक घटनाएं बढ़ रही है। करोड़ो रुपयों का अनाधिकृत व्यापार किया जा रहा है।

पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे की अध्यक्षता में हुई जिला नियोजन समिति की सभा में ये मामला आने पर पालकमंत्री एक्शन मोड पर दिखाई पड़े। उन्होंने त्वरित अधिकारियों से जवाब-तलब कर इस मामले पर लताड़ लगाई। पालकमंत्री ने कहा, निधी आने के बावजूद दो साल से कुछ भी काम नहीं? भूमि अभिलेख विभाग में रिक्त उप अधीक्षक के पद को त्वरित भरने, जमाबन्दी आयुक्त से बातचीत कर नए अधिकारी को नियुक्त करने की बात कही। उन्होंने कहा एजंसी नियुक्त होते ही कार्य में तेजी लाएं। अनियमितता होने पर कार्रवाई की जायेगी।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, गोंदिया जिला धान उत्पादक जिला है। धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान धान गोदाम की कमी के चलते धान खुले में पड़ा रहता है। अगर प्रत्येक गांव में धान रखने हेतु गोदाम की निर्मिति की जाती है तो धान रखने की समस्या व किसानों को होने वाले खर्च से निजात मिल सकती है। जिला नियोजन समिति के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 2-2 करोड़ की निधि का प्रावधान होता है तो ये समस्या जल्द निपट सकती है। पालकमंत्री तनपुरे ने इस सुझाव को बेहतर बताया व निधि के सम्बंध में जल्द ही कोई ठोस निर्णय लेने की बात कही।

रावनवाड़ी क्षेत्र के बटाना सर्कल में विद्युत भार अधिक होने पर नए सबस्टेशन की मांग की। इस मामले पर महावितरण के अधिकारियों को तत्काल खड़ा कर समस्या का समाधान हेतु आदेशित किया। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक राष्ट्रीयकृत बैंक है। हर साल इन बैंकों को फसल कर्ज वितरण का जो लक्ष्य दिया जाता है उसे पूरा करने में ये असमर्थ है। लक्ष्य पूरा न होने पर किसानों को दूसरों से कर्जा उठाकर फसल लगानी पड़ती है। इन बैंकों को टार्गेट पूरा करने पर पालकमंत्री ने जोर देना चाहिए व कार्रवाई के आदेश देना चाहिए।

पालकमंत्री ने जिला मध्यवर्ती बैंक, ग्रामीण बैंक व राष्ट्रीयकृत बैंक के आंकड़े मांगकर, जीडीसी बैंक व ग्रामीण बैंक द्वारा फसल कर्ज लक्ष्य से अधिक देने व राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा लक्ष्य से कम फसल कर्ज देने का मामला सामने आया। पालकमंत्री ने इन राष्ट्रीयकृत बैंको को टार्गेट पूर्ण करने आदेशित किया। लक्ष्य पूरा न करने पर जिलाधिकारी को कार्रवाई करने के आदेश दिए।

सभा में पालकमंत्री प्राजक्त तनपुरे की अध्यक्षता में सांसद सुनील मेंढे, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक डॉ. परिणय फुके, विधायक विजय रहांगडाले, विधायक मनोहर चन्द्रिकापुरे, विधायक सहसराम कोरोटे, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिप सीईओ पाटील, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, जिला नियोजन समिति सदस्य, विशेष निमंत्रित सदस्य आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन अंतर्गत तत्काल कार्य शुरु करें - विधायक राहंगडाले

जिलाधिकारी कार्यालय में विभिन्न विषयों पर समीक्षा सभा का आयोजन

बुलंद गोंदिया - तिरोड़ा ग्राम पंचायत सीमा के अंतर्गत महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के क्षेत्र के कर की वसूली महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल द्वारा करने के संदर्भ में तिरोड़ा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय राहंगडाले द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय में विभाग प्रमुख के साथ सभा आयोजित की थी। जिसमें तिरोड़ा तहसील में अदानी पावर महाराष्ट्र लिमिटेड, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के कार्यक्षेत्र में आता है। जिसमें 800 हेक्टेयर क्षेत्र में अदानी प्रकल्प शुरु किया गया है जिसमें से 442 हेक्टेयर जमीन या महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल की है तथा शेष जमीन संपादित की गई है। जिसमें प्रमुख रुप से गराड़ा, खैरबोडी, काचेवानी, घुमाधावड़ा, मेहंदीपुर इन ग्रामों का समावेश है। इन ग्रामों में कर की वसूली महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल द्वारा न कर अदानी पावर महाराष्ट्र लिमिटेड द्वारा की जाए, जिसे एक बड़े प्रकल्प से प्राप्त होने वाले कर के स्वरुप से मिलने वाली राशि से ग्राम पंचायत के विकास के लिए निधि प्राप्त होंगी।

इस संदर्भ में ग्राम पंचायत द्वारा मांग की गई थी। इस संदर्भ में महाराष्ट्र ग्राम विकास विभाग द्वारा 13 सितंबर 2019 को दिए गए शासन निर्णय के अनुसार महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल द्वारा वसूली की गई कर की राशि में से 50 प्रतिशत की राशि ग्राम पंचायत को देने का निर्णय आदेश दिया गया। जिसके लिए ग्राम पंचायत में स्वतंत्र बैंक खाते खोलने की सूचना दी गई। इसके साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक किसानों को केवाईसी करना आवश्यक है। जिसके बिना खातों में राशि जमा नहीं हो पाएंगे तथा इसकी सूचना सभी किसानों को देकर केवाईसी अपडेट किया जाए जिससे किसान किसान सम्मान निधि से

वंचित न रहे।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत तिरोड़ा तहसील की 72 ग्राम पंचायतों में नल योजना शुरु की गई है। जिसमें से 60 ग्राम पंचायतों में यह योजना शुरु है तथा 12 ग्राम पंचायतों में यह योजना बंद है जिसके लिए जल जीवन मिशन योजना का योग्य उचित लाभ मिलने व पानी का जलस्त्रोत बढ़ाने का प्रयास विभाग के माध्यम से किया जाए। जिससे जल जीवन मिशन योजना का लाभ नागरिकों को मिले। योजना तो शुरु की जाती है लेकिन जलस्त्रोत का समुचित प्रबंधन न होने से पानी नहीं मिल पाता, जिससे विधायक द्वारा विभाग पर आक्रोश व्यक्त किया गया। विभिन्न विषयों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में सभा आयोजित की गई थी जिसमें जिलाधिकारी नयना गुंडे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, निवासी उप जिलाधिकारी स्मिता बेलपत्र, उपविभागीय अधिकारी पूजा गायकवाड, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के एस.पी. हरगुड़े, अदानी से विश्वास, गटविकास अधिकारी सतीश निल्ललारे, जिप सदस्य शैलेश नंदेश्वर, घुमाधावड़ा सरपंच ओमप्रकाश पटले, मेहंदीपुर सरपंच विद्या चौधरी व संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव उपस्थित थे।

फूलचूर नाले को अतिक्रमण से बचाने पूर्व पार्षद सुनील तिवारी ने की मांग

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के मुख्य प्रवेश द्वार फूलचूर ग्राम व गोंदिया शहर से लगे फूलचूर नाले पर भूमाफिया व पूंजीपतियों द्वारा बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया जा रहा है। उपरोक्त अतिक्रमण कार्रवाई को रोकने व अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की मांग पूर्व पार्षद सुनील तिवारी द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर की है। गौरतलब है कि गोंदिया तहसील के ग्राम पागड़ी बेंद तलाव से निकलनेवाला नाला जो पिंडकेपार से मुक्तिधाम होते हुए गोंदिया शहर की सीमा पर ग्राम फूलपुर के समीप से होकर निकलता है। उपरोक्त नाले के दोनों और बड़े पैमाने पर भूमाफिया व पूंजीपतियों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है जिससे नाले का स्वरुप धीरे-धीरे एक छोटी नाली के रुप में तब्दील होता जा रहा है। जिसके चलते बारिश के मौसम में उपरोक्त नाले के पानी को निकलने का स्थान बचा नहीं होने के चलते गोंदिया शहर के अनेक निचले इलाकों पर बाढ़ की स्थिति निर्माण होंगी। जिसमें गौरी नगर, संजय नगर, छोटा गोंदिया क्षेत्र के नागरिकों के निवास में बाढ़ का पानी भर सकता है। जिसके चलते उपरोक्त नाले पर पूंजीपतियों भूमाफिया द्वारा किए गए अतिक्रमण को रोककर उन पर कार्रवाई करने के साथ ही भविष्य में निर्माण होने वाली बाढ़ आपदा को समय के पूर्व निजात दिलाने व सामान्य जनजीवन प्रभावित ना हो इस बात को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग का ज्ञापन पूर्व पार्षद सुनील तिवारी द्वारा जिलाधिकारी नयना गुंडे को देकर की है। इसके साथ ही उपरोक्त निवेदन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री महाराष्ट्र, उपविभागीय अधिकारी गोंदिया, मुख्य अधिकारी व प्रशासक गोंदिया नगर परिषद तथा तहसीलदार गोंदिया को दी गई है।

जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर, जिले के समग्र विकास की बनाये योजना - पालकमंत्री तनपुरे

बुलंद गोंदिया - गोंदिय जिला नियोजन समिति की सभा राज्यमंत्री नगर विकास, उर्जा, आदिवासी विकास, उच्च व तंत्र शिक्षण, आपद्धाी व्यवस्थापन, मदत पुनर्वसन व पालक मंत्री गोंदिया प्राजक्त तनपुरे की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन समिति सभागृह में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आर्थिक वर्ष 2022-23 के लिए जिले के विकास की समग्र योजनाएं जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर बनाई जाए तथा कार्यों को गुणवत्तापूर्वक कर तय समयावधि में अपने जिम्मेदारियों का पालन करने का निर्देश दिया। आर्थिक वर्ग 2020-21 में शासकीय यंत्रणा द्वारा 100 प्रतिशत विकास कार्य में खर्च किए जाने पर प्रशासन का अभिनंदन किया।

आगे उन्होंने कहा कि वर्ष 2020-21 इस आर्थिक वर्ष की सर्व साधारण योजना में 165 करोड, अनुसूचित जाति उपाय योजना में 44 करोड व आदिवासी उपयोजना में 45 करोड़ 99 लाख 69 हजार की निधि का बजट किया गया था। जिसमें यंत्रणा द्वारा 254 करोड़ 99 लाख 69 हजार का खर्च इस आर्थिक वर्ष में किया गया तथा वर्ष 2022-23 इस आर्थिक वर्ष में सर्व साधारण योजना 200 करोड़, अनुसूचित जाति उपायोजना 44 करोड, आदिवासी उपयोजना 48 करोड़ 99 लाख 90 हजार का कुल 292 करोड 99 लाख 90 हजार का नियतव्यय मंजूर किया गया है। जिले के नक्षलग्रस्त सूची से कुछ तहसीलों को हटाया गया है यह मुद्दा सभागृह में चर्चा में आया, जिस पर गृहमंत्री व गृह सचिव से मुलाकात कर जिले की सभी तहसीलों को नक्षलग्रस्त सूची में शामिल किया जाए इसके लिए प्रयत्न किया जाएगा ऐसा उन्होंने कहा। साथ ही आयोजित सभा में गत वर्ष के खर्चों को व इतिवृत्त को मंजूरी दी गई।

धान खरीदी गोदाम का निर्माण प्रत्येक विधानसभा के लिए 2 करोड रुपए की निधि का नियोजन किया गया। वर्ष 2020-21 के वर्ष में कृषि सेवा, ग्रामीण विकास, सामाजिक व समूह सेवा, पाटबंधारे, बाढ़ नियंत्रण, ऊर्जा विकास, उद्योग, खान, परिवहन, सामान्य सेवा सामान्य व आर्थिक सेवा नाविन्यपूर्ण योजना का मूल्यमापन, नियंत्रण व सूक्ष्म प्रकल्प योजना में 100 प्रतिशत खर्च हुआ है। समिति की सभा में 17 जनवरी 2022 की सभा के इतिवृत्त को मंजूरी देने व इतिवृत्ता की कार्यवाही के विषयों की समीक्षा लेने जिला वार्षिक योजना सर्वसाधारण योजना अनुसूचित जाति उपयोजना आदिवासी उपयोजना व आदिवासी उपयोजना क्षेत्र 2021-22 के अंतर्गत मार्च 2022 के अंत तक हुए खर्च को मान्यता प्रदान करने जिला वार्षिक योजना वर्ष 2022 के अंतर्गत क्रियान्वित करनेवाली योजनाएं अप्रैल के अंत तक प्रगति की समीक्षा लेने व अध्यक्ष की मंजूरी से समय पर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। सभा में सांसद सुनील मेंढे, विधायक डॉ. परिणय फुके, विजय रहांगडाले, विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापूरे, सहसराम कोरोटे, जिल्हाधिकारी गुंडे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटील, जिला पोलीस अधीक्षक विश्व पानसरे, जिल्हा नियोजन अधिकारी कावेरी नाखले व समिती सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा संगठन में नई युवा शक्ति को जोड़ने का करे कार्य पूर्व - पूर्व विधायक अग्रवाल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया तहसील भाजपा ग्रामीण मंडल कार्यकर्ताओं की सभा पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिले में जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव में भरपूर मेहनत की, जिसका परिणाम पार्टी के पक्ष में आया है। केंद्र सरकार द्वारा आम नागरिक किसानों के लिए निशुल्क राशन, कोरोना वैक्सीन, 6000 वार्षिक हर किसानों को सहायता राशि, बेघरों को पक्का मकान जैसी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई है। गोंदिया तहसील में भाजपा के झंडे के तले सर्वाधिक जिला परिषद व पंचायत समिति की सीटें भी जीती है, किंतु हम और अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे। कुछ कार्यकर्ताओं के व्यक्तिगत हितों ने उन्हें कहीं न कहीं सत्ताधारी दल के आगे नतमस्तक कर दिया तथा हम मामूली अंतर से कुछ जिला परिषद व पंचायत समिति सीटें हारे हैं। भीतरीघात को ध्यान में रखते हुए अगर हमें भविष्य में कोई भी चुनाव जीतना है तो सभी कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूती देने के लिए नए सिरे से प्रयास करने होंगे तथा पक्ष को मजबूत बनाने के लिए नई युवा शक्ति को जोड़कर संगठन को मजबूती देने के कार्य में कार्यकर्ता जुटे। इस अवसर पर ग्राम खातिया, दागोटोला, बटाना सेवा सहकारी संस्था में विजयी उम्मीदवारों का भी सत्कार किया गया। आयोजित सभा में धनराज, माधुरी हरिनखेडे, संजय टेंभरे, योगराज राहंगडाले ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए। सभा का संचालन अर्जुन नागपुरे तथा आभार प्रदर्शन तिजेश गौतम ने माना।

कार-दुपहिया टक्कर में एक की मौत

तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले गजभिए पेट्रोल पंप के समीप मारुति वाहन क्रमांक एमएच36 एन3363 के चालक द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए बेलाटी खुर्द तहसील तिरोड़ा निवासी सुरेश सोनटक्के (35) जो अपनी दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच40 सी5578 मार्ग से जा रहे थे को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में वह गंभीर रुप से जख्मी हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। उपरोक्त मामले में फरियादी रमेश श्रीराम सोनटक्के की लिखित शिकायत के आधार पर तिरोड़ा पुलिस थाने में भादवि की धारा 279, 338, 304 (अ) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा बावने द्वारा की जा रही है।

७ वर्षीय नाबालिक के साथ दुष्कर्म आरोपी को १५ वर्ष का सश्रम कारावास व ५५००० का जुर्माना

बुलंद गोंदिया - अर्जुनी मोरगांव निवासी आरोपी अतुल उर्फ बोम्क्या रंगारी को 7 वर्षीय नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में प्रमुख जिला व विशेष सत्र न्यायाधीश एसएएआरओटी ने दोषी करार देते हुए 15 वर्ष का सश्रम कारावास व 55000 जुर्माने की सजा दी।

प्रकरण इस प्रकार है कि 23 अक्टूबर 2015 को आरोपी अतुल रंगारी (35) द्वारा पीड़िता के गांव में जब बुद्ध विहार में भीम ज्योति कार्यक्रम तथा दुर्गा विसर्जन का कार्यक्रम होने के चलते फरियादी उपरोक्त कार्यक्रम में व्यस्त थे। जिसका लाभ लेकर आरोपी द्वारा पीड़िता के घर में शाम 4 बजे के दौरान अवैध रुप से प्रवेश कर 7 वर्षीय नाबालिगा के साथ दुष्कर्म किया था। जिसके पश्चात पीड़िता द्वारा इस घटना की जानकारी रोते हुए अपने दादा-दादी व माता को दी। जानकारी प्राप्त होने पर ग्राम के नागरिकों द्वारा आरोपी की पंचायती पिटाई भी की गई थी। तथा इस मामले में पीड़िता के पिता फरियादी द्वारा 23 अक्टूबर 2015 को अर्जुनी मोरगांव पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा 376 (2)(आय), 450 तथा सहायक कलम 4, 6 बाल लैंगिक अत्याचार अधिनियम 2012 के तहत मामला दर्ज कर उपरोक्त मामले की जांच तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक राजेश गज्जल द्वारा कर न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था।

सरकार तथा पीड़ित व फरियादी की तरफ से विशेष सरकारी वकील कृष्णा पारधी व जिला सरकारी वकील एम.एस. चांदवानी द्वारा न्यायालय के समक्ष 14 गवाहों को पेश किया। न्यायालय द्वारा आरोपी की उम्र, चिकित्सा अहवाल तथा न्यायालय के सामने आए सबूतों के आधार पर प्रमुख जिला व विशेष सत्र न्यायाधीश एसएएआरओटी द्वारा आरोपी को दोषी करार देते हुए भादवि की धारा 450 के तहत 5 वर्ष का सश्रम कारावास व 5000 जुर्माना तथा जुर्माना न भरने पर 6 महीने का अतिरिक्त सश्रम कारावास तथा बाल लैंगिक अत्याचार संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 6 के अंतर्गत 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 50000 जुर्माने की सजा दंड ना भरने पर 2 वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास इस प्रकार 15 वर्ष का सश्रम कारावास व 55000 जुर्माने की कठोर सजा दी। साथ ही उपरोक्त जुर्माने की राशि पीड़ित बालिका को देने के साथ ही जिला विधि सेवा प्राधिकरण गोंदिया के माध्यम से मनोधैर्य योजना के अंतर्गत आर्थिक मदद व पुनर्वसन करने का आदेश दिया। उपरोक्त प्रकरण में पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में पैरवी कर्मचारी पोहवा गीता ठाकुर तुरकर द्वारा न्यायालय कार्य में सहयोग दिया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।